श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- भाण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 4 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 मई 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

आचार्यद्वय की पावन निश्रा में अमराईवाड़ी में प्रतिष्ठोत्सव

उदयपुर, (स. सं),

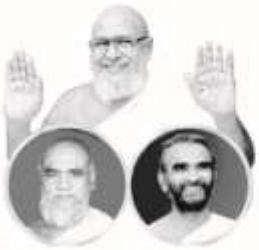

प. पू. जैनाचार्य, विश्वपूज्य दादागुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के प्रशिष्य पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि विशाल श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक श्रीसंघ, अमराईवाड़ी-अहमदाबाद द्वारा आयोजित श्री वासुपूज्यस्वामीजी आदि परमात्मा, गणधरश्री गौतमस्वामीजी एवं गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. आदि गुरु भगवन्त की प्रतिमा का भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव विविध कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ।

पावन प्रतिष्ठोत्सव के निमित्त श्रीसंघ द्वारा दिनांक 7 मई 2018 से 11 मई 2018 तक पंचाह्निका महोत्सव आयोजित किया गया। पुण्य-समाट गुरुदेव के पट्टधरों एवं श्रमण-श्रमणिवृन्दों का दिनांक 7 मई 2018 को भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा के साथ किया गया।

दिनांक 9 मई 2018 को प्रतिष्ठा की भव्यातिभव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें बैण्ड, ढोल, नृत्य कलाकारों आदि की प्रस्तुतियाँ सभी को आकर्षित कर रही थीं। शोभायात्रा अमराईवाड़ी के मुख्य मार्गों से होती हुई प्रतिष्ठा स्थल पहुँच कर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई।

दिनांक 10 मई 2018 को गच्छाधिपतिश्री एवं आचार्यदेवेशश्री आदि गुरु भगवन्तों की पावन निश्रा में श्री वासुपूज्यस्वामीजी आदि परमात्मा, गणधरश्री गौतमस्वामीजी एवं गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. आदि गुरु भगवन्त की प्रतिमा की प्रतिष्ठा विधिविधान के साथ हजारों गुरुभक्तों के 'ॐ पुण्याहं-ॐ पुण्याहं' के निनाद एवं जय-जयकारों के साथ धूमधाम से सम्पन्न हुई।

दिनांक 11 मई 2018 को शुभ मुहूर्त्त में लाभार्थी परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

सम्पूर्ण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन श्री जैन श्वेताम्बर मूर्त्तिपूजक श्रीसंघ, अमराईवाड़ी द्वारा किया गया। पंचाह्निका महोत्सव में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न पूजाएँ, प्रभु-गुरुभक्ति संगीतकारों द्वारा की गई। प्रतिदिन परमात्मा एवं गुरु बिम्बों की नयनाभिराम अंगरचना की गई। श्रीसंघ द्वारा साधर्मिक भक्ति की सुन्दर व्यवस्था की गई।

इस प्रतिष्ठा महोत्सव में अहमदाबाद, सूरत, मुम्बई, राजस्थान, मध्यप्रदेश आदि स्थानों से अनेक श्रीसंघों के गुरुभक्त पधारे।

आचार्यदेवेशश्री का वर्षावास प्रवेश श्री माण्डवपुर तीर्थ में होगा

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर एवं प. पू. योगिराज, कृपासिन्धु, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा. के सुशिष्यरत्न सूरिमन्त्राराधक, भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक, शासन प्रभावक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमणिवृन्द का भव्यातिभव्य वर्षावास प्रवेश आषाढ़ शुक्ला 6, बुधवार दिनांक 18 जुलाई 2018 को अतिप्राचीन तीर्थ एवं पुण्य-सम्राट की पुण्यस्थली श्री माण्डवपुर तीर्थ में होगा।

श्रीमहावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी एवं श्री वर्धमान राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट द्वारा प्राप्त विज्ञप्ति में बताया गया कि आचार्यदेवेशश्री एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में आयोजित इस वर्षावास में तीर्थ भूमि पर तप-त्याग-धर्म की अविरल धर्मगंगा प्रवहमान होगी। अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याणकारी प्रकल्पों के भव्य आयोजनों के साथ यह वर्षावास पूर्ण होगा। सम्पूर्ण वर्षावास के लाभार्थी श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल निवासी पादरू (राज.) हैं।

शंखेश्वर तीर्थ में आराधना भवन व यात्रिक भवन का उद्घाटन संपन्न

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की पावन प्रेरणा से शंखेश्वर तीर्थ में डीसा निवासी वेदलिया भाणजीभाई दलीचन्दभाई परिवार (भोरडूवाला) के सुपुत्र श्री वाघजीभाई भाणजीभाई वेदलिया परिवार द्वारा निर्मित श्री राज-राजेन्द्रसूरि आराधना भवन एवं जिया जबीबेन वाघजीभाई यात्रिक भवन का भव्य उद्घाटन दिनांक 2-5-2018 को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधर एवं सुशिष्यरत्न गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं विशाल श्रमण-श्रमणिवृन्दों की पावन निश्रा में उत्साह और हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

श्री शंखेश्वर तीर्थ में आराधना भवन एवं यात्रिक भवन का निर्माण वेदलिया परिवार ने श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के मन्दिर के सामने स्थित विशाल परिसर में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित निर्मित करवा कर अपनी गुरुभक्ति का परिचय दिया है।

इस अवसर पर गच्छाधिपतिश्री ने मंगलाचरण करते हुए कहा कि पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की प्रेरणा को साकार रूप प्रदान कर वेदलिया परिवार ने शासन प्रभावना का अनुमोदनीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया है। श्री शंखेश्वर दादा के समीप होने से साधु-साध्वी भगवन्तों और आराधक यात्रियों को दर्शन-वन्दन एवं आराधना करने में बहुत लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर वेदलिया परिवार द्वारा गच्छाधिपतिश्री को कामबली वोहराई गई। ट्रस्ट मण्डल द्वारा श्री वेदलिया परिवार का बहुमान किया गया।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये। घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

थराद नगर में पुण्य-सम्राट गुरु मन्दिर का शिलान्यास

उदयपुर (स. सं.)

थराद (थीरपुर) नगर में पुण्य-सम्राट, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के गुरु मन्दिर का शिलान्यास दिनांक 7 मई 2018 पुण्य-सम्राट गुरुदेव की 13वीं मासिक पुण्य तिथि को गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री प्रत्यक्षरत्नविजयजी म. सा. एवं साध्वीश्री दिव्यदृष्टाश्रीजी म. सा. आदि की पावन निश्रा में थराद त्रिस्तुतिक जैन संघ के तत्वावधान में उत्साह एवं उमंग से सम्पन्न हुआ।

थराद नगर में सम्वत् 101 में थीरपुर (थराद) नगर के संस्थापक श्रेष्ठीवर्य श्री थिरपाल धरू के वंशज जो भगवान श्री महावीर के शासन में गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के समुदाय में संयम जीवन ग्रहण कर मुनिराजश्री जयन्तविजयजी म. सा. बने, जिन्होंने आचार्यश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के गुरु मन्दिर के रूप में जैन शासन एवं गुरुगच्छ की अविस्मरणीय शासन प्रभावना की ऐसे पुण्य-सम्राट गुरुदेव के गुरु मन्दिर के शिलान्यास का लाभ थराद श्रीसंघ की आज्ञा से मणशाली ताराबेन कान्तिलाल मुदरमल परिवार ने लिया। थराद नगर में इतिहास रचते हुए विश्व में प्रथम पुण्य-सम्राट गुरु मन्दिर का शिलान्यास किया गया।

मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा श्रीसंघ की आग्रहभरी विनती स्वीकार श्री शंखेश्वर तीर्थ से विहार कर पधारे, मुनिराजश्री के आगमन पर नगर की सीमा पर गहुँली कर श्रीसंघ ने बधाया एवं शोभायात्रा के साथ नगर प्रवेश करवाया गया। ज्ञानमन्दिर में मुनिराजश्री ने प्रवचन में पुण्य-सम्राट गुरुदेव के पुण्य साम्राज्य का वर्णन किया। ज्ञानमन्दिर से शोभायात्रा शिलान्यास की शिला के साथ भगवान श्री महावीरस्वामी के मन्दिर श्रीसंघ के साथ भाव विभोर होते हुए सामूहिक चैत्यवन्दन किया।

इस अवसर पर थराद श्रीसंघ एवं अहमदाबाद, सूरत, मुम्बई, डीसा सहित अनेक श्रीसंघों के गुरुभक्त उपस्थित रहे, अनेक गुरुभक्तों ने पुण्य-सम्राट गुरुदेव के मन्दिर की प्रतिष्ठा सम्पन्न हो उस समय तक अपनी प्रिय वस्तुओं में से एक वस्तु के त्याग का नियम लिया। शिलान्यास महोत्सव निमित्त मुनिराजश्री को कामली वोहराने का लाभ वोहेरा बाबूलाल लल्लूभाई परिवार ने लिया। निर्मित हो रहे गुरु मन्दिर परिसर का नामकरण महावीर मधुकर वाटिका किया गया।

गुरु जन्मभूमि पर ध्वजारोहण सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.)

पेपराल तीर्थ में गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. की जन्मभूमि परिसर में स्थित श्री मधुकर महावीरस्वामीजी जिनालय का ध्वजारोहण आज मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री प्रत्यक्षरत्नविजयजी म. सा. की पावन निश्रा में गुरु जयन्तसेन शासन प्रभावक ट्रस्ट पेपराल तीर्थ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ध्वजा के लाभार्थी श्री मुनिलालजी मंगलचन्दजी हिराणी परिवार (रेवतड़ा-राजस्थान) वर्तमान में चैन्नई, मुम्बई द्वारा हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

इस प्रसंग पर हिराणी परिवार के श्री अशोकजी हिराणी एवं ट्रस्ट के ट्रस्टी सहित थराद, डीसा, नैनावा, वासणा, जेतड़ा, लाखणी आदि अनेक नगरों के श्रीसंघ के गुरुभक्त उपस्थित रहे।

मुनिश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. ने अपने प्रवचन में भगवान श्री महावीरस्वामीजी के जीवन के साधना काल का मार्मिक वर्णन किया। ध्वजा के लाभार्थी परिवार का ट्रस्ट की ओर से बहुमान किया गया। ध्वजारोहण प्रसंग पर संघपूजन किया गया।

लाभार्थी परिवार ध्वजारोहण करते हुए

त्रिदिवसीय धार्मिक शिविर सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.)

श्री शान्तिनाथ जिनालय जैन कॉलोनी, नागदा जं. में त्रिदिवसीय धार्मिक पाठशाला के बच्चों का शिविर आज सम्पन्न हुआ।

श्रीमती कोमल बहन चौधरी के मार्गदर्शन में शिविर का आयोजन हुआ। श्रीमती चौधरी द्वारा प्रतिदिन धार्मिक पाठशाला में निःशुल्क अध्ययन लगातार कराया जा रहा है। श्री राजेन्द्रसूरि जैन ज्ञान मन्दिर ट्रस्ट अध्यक्ष श्री ब्रजेश बोहरा ने जानकारी देते हुए बताया कि धार्मिक शिविर में प्रथम दिन गहुँली प्रतियोगिता व सिखाना के लाभार्थी सरिताबेन धूपिया, द्वितीय दिन पुण्य-सम्राट की मासिक पुण्यतिथि पर सामायिक लेना व सूत्र बोलना आदि के लाभार्थी श्री सुरेश ओरा व अन्तिम दिन बच्चों को मन्दिर में भगवान की पूजा-अर्चना एवं विधि आदि सिखाई गई व प्रतियोगिता की गई जिसके लाभार्थी श्री ब्रजेश बोहरा थे। शिविर में अन्तिम दिन बच्चों को सामूहिक प्रभावना के लाभार्थी श्री भैरूमल पारसमल, सीमाबेन राजकुमार भारतीय, हेमाबेन जितेन्द्रकुमार तत्वेचा, गुलाबबेन मनोहरलाल कटलेचा आदि थे। शिविर समापन पर नवकारसी का लाभ श्री ब्रजेश बाबूलालजी बोहरा ने लिया।

त्रिदिवसीय शिविर में बच्चों ने बहुत उत्साह से भाग लिया। महिला परिषद् शाखा अध्यक्ष श्रीमती रंजना लुणावत व टीम का भी सहयोग प्राप्त हुआ। अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् परिवार की ओर से शिविर के बच्चों, अध्यापिका एवं लाभार्थी परिवार के साथ ही सहयोगियों की अनुमोदना की गई।

गुरु बिना जीवन शुरू नहीं

उदयपुर (स. सं.)

राज-राजेन्द्र भवन, विजयवाड़ा में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री संयमरत्नविजयजी म. सा. ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो चलता रहे वहीं संसार है, संसार में स्थिरता नहीं होती और जहाँ स्थिरता है वहीं मोक्ष है। मुनिश्री ने कहा कि तीर्थंकर के अभाव में आचार्यश्री ही तीर्थंकर के समान होते हैं। उपकारियों के उपकार को हमें कभी भी भूलना नहीं चाहिए। देव, गुरु व धर्म इन तीनों के मध्य गुरु होते है, जो कि हमें धर्म का मार्ग दिखाने के साथ-साथ देव अर्थात् परमात्मा की पहचान भी करवाते हैं। प्रभु महावीरस्वामी के निर्वाण के पश्चात् इन पच्चीस सौ वर्षों में सुधर्मास्वामीजी, जम्बूस्वामीजी, प्रभवस्वामीजी, स्वयंभवसूरिजी, हेमचन्द्राचार्यजी, पादलिप्त-सूरिजी, राजेन्द्रसूरिजी व उपाध्याय यशोविजयजी जैसे अनेक महापुरुष हुए जिनकी शासन सेवा के कारण यह जिनशासन प्रभावशाली व प्रगतिशील हुआ है। गुरु हमें अन्धकार से उजाले की ओर ले जाते है। गुरु के बिना हमारा जीवन शुरू नहीं होता है।

धर्मसभा में विशाल संख्या में गुरुभक्त उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री सम्भवनाथ राजेन्द्रसूरि जैन श्वेताम्बर ट्रस्ट, विजयवाड़ा ने मुनिद्वय से अविधि-आशातना की क्षमायाचना की।

कन्या शिक्षण शिविर जयपुर में होगा

उदयपुर (स. सं.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय गच्छाधिपतिश्री नित्यसेन-सूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी एवं वयोवृद्धा गुरुवर्याश्री महाप्रज्ञाश्रीजी म. सा. की सुशिष्या विदुषी साध्वीरत्ना डॉ. श्री प्रियदर्शनाश्रीजी म. सा. एवं डॉ. श्री सुदर्शनाश्रीजी म. सा. की पावन निश्रा में राजस्थान की राजधानी गुलाबी नगरी जयपुर में श्री देराऊर दादावाड़ी तीर्थ की धन्यधरा पर नैतिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक जागरण के लिए जैन छात्राओं का ग्यारह दिवसीय धार्मिक शिविर का भव्य आयोजन दिनांक 17 मई 2018 से 27 मई 2018 तक अ. भा. श्री राजेन्द्र-जयन्त जैन सम्यग्ज्ञान कन्या शिविर ट्रस्ट की ओर से 35वाँ कन्या शिविर आयोजित किया जायेगा।

शिविर में कक्षा 6 तक की छात्रा से लेकर 45 वर्ष तक की उम्र की पढ़ी-लिखी बहिनें भाग ले सकती है।

प. पू. कृपासिन्धु, योगिराज, संयमवयः स्थविर गुरुदेवश्री शान्तिविजयजी म. सा. द्वारा संस्थापित एवं पुण्यसम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर, तीर्थ प्रेरक, प्रवचनकार आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा प्रेरित गुरु स्मारकों पर दर्शनार्थ अवश्य पधारिये !

श्री महावीर 52 जिनालय
श्री वर्धमान राजेन्द्र जैनागम मन्दिर
दादावाड़ी, समाधि-मन्दिर एवं पाटगादी से सुशोभित

श्री भाण्डवपुर महातीर्थ

दर्शनार्थ-यात्रार्थ पधारिये

वार्षिक मुख्य आयोजन

चैत्री पूनम, कार्तिक पूनम, गुरु-सप्तमी (पौष शुक्ला 7)
मुख्य मन्दिर, समाधि मन्दिर ध्वजारोहण
गुरु श्री शान्तिविजयजी म. सा. पुण्य तिथि ज्येष्ठ शुक्ला 10
पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की पुण्य तिथि (वैशाख कृष्णा 7)
तथा अक्षय तृतीया को सामूहिक
वर्षीतप पारणा भव्य रूप से होते हैं।

सम्पर्क :
श्री महावीर 52 जिनालय, श्री वर्धमान राजेन्द्र जैनागम मंदिर पेढ़ी
श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी ट्रस्ट
मु. पो.- भाण्डवपुर तीर्थ, वाया- सायला, जिला- जालोर (राज.)
दूरभाष : 02977-270033, 7340019703-4-5

श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट संचालित

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार

मोटेरा-अहमदाबाद

लगभग 700 वर्ष प्राचीन श्री शान्तिनाथ भगवान प्रतिष्ठित हैं। प्रगट-प्रभावी दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. का गुरु मन्दिर एवं यतीन्द्र वाणी प्रकाशन भवन, अहमदाबाद में व्यवसायरत गुजरात एवं राजस्थान प्रवासी गुरुभक्तों का प्रमुख श्रद्धा केन्द्र

श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट-श्री राजेन्द्र-शान्ति जैनोदय ट्रस्ट एवं श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय राजेन्द्रसूरि स्मारक जैन संघ, उदयपुर का केन्द्रीय कार्यालय यहाँ स्थित है।

सम्पर्क सूत्र-
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
मु. पो.- मोटेरा-382 424
ता. जिला- गाँधीनगर (गुजरात)
दूरध्वनि- 079-23296124

तप-त्याग, भक्ति और शौर्य की वसुन्धरा, अरावलीवादियों से आच्छादित, दादा गुरुदेव की दीक्षा स्थली, झीलों की नगरी उदयपुर में एक बार अवश्य दर्शनार्थ पधारिये।

साधु-साध्वीवृन्द के लिए उपाश्रय, बाहर से पधारे संघों, यात्रियों के ठहरने हेतु सुविधायुक्त विशाल धर्मशाला, भोजनशाला की सम्पूर्ण व्यवस्था।

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार

संचालक-
श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय राजेन्द्रसूरि स्मारक जैन संघ, उदयपुर
दिल्ली-मुम्बई हाईवे-8, केशरियाजी रोड़, उदयपुर से 15 कि.मी. दूर,
मु. पो.- काया-उदयपुर (राज.) मो. 09001295006-8, दूरभाष- 0294-2811693

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार

84 गच्छमान्य, प्रकट-प्रभावी श्री जीरावला पार्श्वनाथ दादा की शीतल छत्रछाया में पर्वतशृंग की गोद में स्थित, परम शान्ति-प्रदायक वनराजी से सुशोभित

यात्री आवास की सम्पूर्ण सुविधा उपलब्ध है। दैनिक भाता व्यवस्था भी उपलब्ध है।

सम्पर्क एवं संचालक-
श्री राजेन्द्र-शान्ति जैनोदय ट्रस्ट
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार जीरावलाजी तीर्थ
मु. पो.- जीरावल-307 514
तहसील- रेवदर जिला- सिरोही (राज.) दूरध्वनि- 09001295003

परहित चिन्तक, जीवदया प्रतिपालक, जिनशासन शणगार जंगम तीर्थ स्वरूप पूज्य गुरु भगवन्तों एवं श्रमणी वृन्दों के भीनमाल से जीरावलाजी तीर्थ की ओर विहार मार्ग में भीनमाल से 16 कि. मी. दूर जसवन्तपुरा रोड़ पर वैयावच्च का अभिनव विहार धाम

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार धाम

संचालक-
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
श्री जीरावला तीर्थ
मु. पो.- जीरावल-307 514
तहसील- रेवदर जिला- सिरोही (राज.)
दूरध्वनि- 02975-224996-224844

सम्पर्क सूत्र-
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार धाम
भीनमाल-जसवन्तपुरा रोड़, झारडेश्वर मन्दिर के पास,
मु. पो.- डोरडा-307 515
जिला- जालोर (राज.) मो. 9001295002

श्री शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार

अर्बुदाँचल की पर्वतमालाओं की श्रेणी में स्थित, प्राकृतिक वन-सम्पदा से सुशोभित विश्व विख्यात श्री देलवाड़ा जैन मन्दिर के निकट स्थित परिसर में पूज्य दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. का फोटो स्थापित है। श्री विमल जैन भोजनशाला भी चालू है।

सम्पर्क सूत्र-
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
मु. पो.- देलवाड़ा-आबूपर्वत-307 501
जिला- सिरोही (राज.) दूरध्वनि- 02974-238980 मो. 9001295005

मातुश्री हंजाबाई दलीचन्दजी खिवेंसरा, आकोली
स्थापित

श्री गौड़ी पार्श्वनाथ राजेन्द्रसूरि मातुश्री धाम - आकोली

प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण परम शान्ति प्रदायक
नयनाभिराम श्री गौड़ी पार्श्वनाथजी,
जगत्पूज्य गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. तथा
खिवेंसरा जैन कुलदेवी श्री अम्बिका माताजी के त्रिमन्दिर से सुशोभित
पूज्य श्रमण-श्रमणीवृन्दों का अनुपम विहार धाम
भोजन - आवास आदि समस्त यात्री सुविधा सम्पन्न

निवेदक-स्थल
श्री गौड़ी पार्श्वनाथ राजेन्द्रसूरि
मातुश्री जैन चेरिटेबल ट्रस्ट
जालोर-भीनमाल मुख्य मार्ग,
पो.- आकोली
जिला- जालोर (राज.) 343 022
दूरभाष : 77425 66680
098441 42220

श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार मोटेरा में आचार्यदेव का मंगल प्रवेश

महिलाओं द्वारा सामैया करके स्वागत

भव्य शोभायात्रा

सुसज्जित बग्घी में दादा गुरुदेव

स्वागत में रंगोली

संघ एकता के शिल्पी आचार्यदेवेशश्री को अक्षत से बधाते हुए

अभिनन्दन-ग्रन्थ लोकार्पण

उदयपुर (स. सं.)

पर्यावरण प्रेमी एवं साहित्यकार श्री अनोखीलाल कोठारी के हीरक वर्ष उम्र के 75 वर्ष एवं परिणय के 50 वर्ष पूर्ण होने पर उनके जीवनवृत्त पर आधारित 'गुदड़ी के लाल-अनोखीलाल' अभिनन्दन-ग्रन्थ का लोकार्पण तपागच्छ की उद्गम स्थली आयड़ जैन तीर्थ पर किया गया।

श्री घण्टाकर्ण महावीर शिक्षा समिति, उदयपुर द्वारा प्रकाशित इस ग्रन्थ का लोकार्पण श्वेताम्बर जैन महासभा के अध्यक्ष श्री तेजसिंह बोल्या, भूपालसिंह घरबड़ा, राजेन्द्र उकावत, डॉ. शान्तिलाल 'राकेश', गजेन्द्र सुराणा एवं राष्ट्रीय कवि कुलदीप 'प्रियदर्शी' ने किया। इस अवसर पर सम्प्रति कोठारी द्वारा निर्मित श्री कोठारी के जीवन पर आधारित विडियो फिल्म का प्रदर्शन किया।

ग्रन्थ के संयोजक श्री अजीत कोठारी ने बताया कि देश के अनेक लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने अपनी लेखनी से गद्य एवं पद्य में अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की वहीं अनेक आचार्यों एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द ने अपना आशीर्वाद श्री कोठारी को दिया। ग्रन्थ के प्रधान सम्पादक कुलदीप 'प्रियदर्शी' एवं ग्रन्थ के सभी लेखकों का समिति की ओर से आभार आनन्द कोठारी ने ज्ञापित किया।

इस प्रसंग पर अनेक साहित्यकारों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने श्री अनोखीलाल-आशालता कोठारी के परिणय की 50वीं वर्षगाँठ एवं जन्म के हीरक वर्ष पर दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना करते हुए बधाई दी।

योगी-वाणी

एक नन्हा सा दीपक भी अन्धकार को मिटा देता है, अमृत की एक बून्द भी अनेक रोगों को नष्ट कर देती है और अग्नि की एक चिंगारी घास के बड़े ढेर को जला सकती है।

उसी प्रकार अगर धर्म का अंश भी निर्मल हो तो पाप को नष्ट कर सकता है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

सह सम्पादक
कुलदीप डोंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्त्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

✲ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✲ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित